फ्लेक्सिबिलिटी भी खूब देते हैं म्यूचुअल फंड

इस पैनल चर्चा में सभी पैनलिस्ट ने म्यूचुअल फंड निवेश में काफी सारे फायदों की बात की. जैसे कि अच्छे रिटर्न के साथ टैक्स एफिशिएंसी, लिक्विडिटी इत्यादि. एक फीचर और जो म्यूचुअल फंडस में है, वह है फ्लेक्सिबिलिटी जो डिस्कस नहीं हुआ है. एसेट अलोकेशन के हिसाब से इन्वेस्टर हाइब्रिड फंड स्कीमों में इन्वेस्ट कर सकते हैं, मल्टी एसेट अलोकेशन फंड में भी इन्वेस्ट कर सकते हैं. अगर किसी इन्वेस्टर को केवल इक्विटी में ही जाना है तो शुद्ध इक्विटी फंड में जा सकता है. इस तरह एक कैटेगरी के रूप में और इन्वेस्टर्स के लिए एक निवेश माध्यम के रूप में म्यूचुअल फंड फ्लेक्सिबिलिटी बहुत देते हैं. यह बड़ी विशेषता है. इंडस्ट्री संस्था 'एम्फी' ने भी देश में निवेशकों को जागरूक करने के लिए कई अच्छे कदम उठाए हैं. अब आगे जाकर यह देखना रहेगा कि अगर ऐसा मार्केट देखने मिले, जहां पर रिटर्न कम होते हैं या थोड़ा मंदी का बाजार रहता है, तो निवेशक कैसा व्यवहार करते हैं क्योंकि पिछले तीन-चार साल एकतरफा बाजार चला है जिसके कारण बड़ी संख्या में निवेशक आकर्षित हुए हैं, परंतु निकट भविष्य में अनिश्चितता की स्थिति दिख रही है. तस्वीर स्पष्ट नहीं दिख रही है. ऐसे में निवेशकों की धारणा प्रभावित हो सकती है, यह देखना होगा.

-राज मेहता,
फंड मैनेजर,
PPFAS म्यूचुअल फंड

पैनल चर्चा में शामिल PPFAS म्यूचुअल फंड के फंड मैनेजर राज मेहता, कोटक महिंद्रा म्यूचुअल फंड के सीनियर फंड मैनेजर अतुल भोले, आईटीआई म्यूचुअल फंड के सीनियर फंड मैनेजर आलोक रंजन, मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड के चीफ बिजनेस ऑफिसर अखिल चतुर्वेदी, जेएम फाइनेंशियल म्यूचुअल फंड के सीनियर फंड मैनेजर असित भंडारकर, निप्पोन इंडिया म्यूचुअल फंड के चीफ बिजनेस ऑफिसर सौगाता चटर्जी, डीएसपी म्यूचुअल फंड के पैसिव इन्वेस्टमेंट एंड प्रोडक्ट्स हेड अनिल घेलानी और मंच संचालक सुरेश राठौड़